यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2023

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 8

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 01.10.2023)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न-1. नीचे लिखी भाषाओं का अर्थ लिखो। **14**

1. धम्मरुई अणगारे पडिलाभिए मणुस्साउए णिबद्धे। इह उववण्णे। सेसं जहा सुबाहुस्स चिन्ता जात पवज्जा। कप्पंतरिए जाव सबट्ठसिद्धे।

.....

.....

2. तस्स अरहदत्ता भारिया, जिणदासो पुत्तो। तित्थयरागमणं, जिणदासो पुव्वभव-पुच्छा। मज्झमिया णयरी, मेहरहे राया। सुद्यम्मे अणगारे पडिलाभिए जाव सिद्धे।

.....

.....

3. तत्थ णं हत्थिसीसस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं पुप्फकरंडए णामं उज्जाणे होत्था। सव्वोउयपुप्फफल समद्धि, रम्मे नंदणवणप्पगासे पासाईए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे।

.....

.....

4. जाव किं णामए वा किं गोत्तए वा किं वा दच्चा किं वा भोच्चा किं वा समायरित्ता कस्स वा तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आयरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा णिसम्म सुबाहुकुमाररेणं इमेया रूवा उराला माणुस्सरिद्धि, लद्धा, पत्ता अभिसमण्णागया?

.....

.....

5. सुदत्तं अणगारं एज्जमाणं पासइ पासित्ता हट्ठतुट्ठे आसणाओ अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठिता पायपीढाओ पच्चोरुहर, पच्चोरुहिता पाउयाओ ओमुपइ, ओमुइत्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ, करित्ता।

.....

.....

6. समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, अहिज्जिता बहूहिं चउत्थ छट्ठट्ठमतवोविहाणेहिं अप्पाणं भावित्ता।

.....

.....

7. सुबाहू भद्दणंदी य सुजाए सुवासवे तहेव जिणदासे । धणवई य महब्बले भद्दणंदी महचंदे वरदत्ते।।

.....

.....

प्रश्न–2. नीचे लिखे पाठों को पूरा करो। **24**

1. णवरं सुबाहुकुमारे .....

.....

..... अब्भुग्गय–मूसिय–पहसिय।

2. समणस्स भगवओ .....

.....

..... दुरुहित्ता।

3. तए णं से सुदत्ते .....

.....

..... गिहं अणुपविट्ठे।

4. गिहंसि य से .....

.....

.....

.....घुट्ठे य।

5. पुव्वरत्तावररत्तकाले .....

.....

.....

..... विहरइ।

6. णवरं भद्दणंदी .....

.....

.....णगरीए।

7. वीरभद्दो जक्खो .....

.....

..... मणिवइया णयरी।

8. मुक्ति पथ .....

..... होकर अहो।

9. आत्मा का .....

..... घर माना।

10. देव वही .....

.....

..... भरा श्रद्धान।

11. जो अतनु .....

..... बसे।

12. हे आत्मा.....

..... सदा।

प्रश्न–3. नीचे लिखे प्रश्नों का उत्तर दीजिए? **20**

1. श्रावक जी ज्यादा से ज्यादा कितने विस्वा दया पाल सकते हैं? समझाओ।

.....

.....

.....

2. दर्शनाचार के कितने भेद हैं नाम लिखो?

.....

.....

.....

3. ''अनुमति – उद्दिष्ट त्याग प्रतिमा'' समझाओ।

.....

.....

.....

4. मोहनीय कर्म की सत्ता, उदय, बंध, निर्जरा कौन–कौन से गुणस्थान तक होती हैं?

.....

.....

.....

5. चौथे गुणस्थान में लेश्या, योग, ध्यान और चरित्र कितने होते हैं लिखो?

.....

.....

.....

6. अरिहंत के चौंतीस अतिशय में से जन्म के कोई 2 अतिशय लिखो?

.....

.....

.....

7. ''दान का महत्तव'' समझाईये?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

8. धन्ना जी को वैराग्य कहाँ से आया?

.....

.....

.....

9. सोमिल ब्राह्मण तथा गजसुकुमाल के जीव का पूर्वभव का वर्णन लिखो?

.....

.....

.....

.....

.....

10. ''विद्याविहीन मनुष्य की स्थिति पशुवत् होती है'' समझाओ।

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न–4 सही या गलत बताइये– **9**

1. उपवृहण दर्शनाचार का सातवाँ भेद है। ( )
2. 9 मास की प्रवज्या वाला साधु 7वें देवलोक के देवों के तेज का उल्लंघन कर जाता है। ( )
3. ग्यारहवें गुणस्थान में 3 कर्मों की उदीरणा नहीं होती है। ( )
4. परिणामों की मलिनता से ऊपर के गुणस्थान से नीचे के गुणस्थान में आना गिरता है। ( )
5. शालिभद्र मुनि उसी भव में सिद्ध–बुद्ध–मुक्त हुए। ( )
6. मैं महाकाल श्मशान में जाकर अर्द्धरात्रि की भिक्षु प्रतिमा धारण करना चाहता हूँ। ( )
7. संसार में पाप हमेशा भी पापी को खा जाता है। ( )
8. भगवान धर्म–उपदेश प्राकृत भाषा में फरमाए। ( )
9. सभी जीव जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता। ( )

प्रश्न–5. अंकों में उत्तर दीजिए– **10**

1. भगवान के चारों तरफ कितने योजन तक उपद्रव नहीं होता है? .....
2. 'दुल्लहाओ मुहादाई, मुहाजीवी वि दुल्लहा'। कौन से अध्ययन में है? .....
3. कितने प्रकार के निर्दोष पदार्थ देने से महान् निर्जरा होती है? .....
4. गजसुकुमाल ने कितनी मुद्राएं कोषालय से निकालने का कहा? .....
5. कम्बल कितने थे? .....
6. अल्पबहुत्व में असंख्यात गुणा वाले कितने गुणस्थान है? .....
7. 9वें गुणस्थान में ध्यान कितने ? .....
8. 4 उपयोग कौन से गुणस्थान में होते हैं? .....
9. शाश्वत गुणस्थान कितने ? .....
10. ज्ञानावरणीय कर्म के उदय से कितने परिषह होते है? .....

प्रश्न-6. एक शब्द में उत्तर दीजिए- **10**

1. अणगारों की अंहिसा पूर्ण ..... है। .....

2. ज्ञानदाता गुरु का विनय करना है। .....

3. चलते समय प्रमाण भूमि को देखता हुआ गमन करना चाहिए। .....

4. 'नमिराज कोई पराया नहीं, किंतु तुम्हारा ही भाई है। .....

5. सिद्ध साक्षी से निरतिचार जो, पाले .....। .....

6. नमिराज ऋषि को कौनसा ज्ञान हुआ। .....

7. किसके काँटे उल्टे हो जाते है? .....

8. अतिशय विशिष्ट किसके उदय से होते है? .....

9. किसके चरणों में झुकता जहान है? .....

10. धन की रखवाली कौन करता था। .....

प्रश्न-7. गलत पाठों को सही करके लिखो- **10**

1. हमने किए जो कर्म पहले, हम तो उन्हीं के अंग है।

.....

2. राजनीति है दूषित, झूठे बच जाते ।

.....

3. पूर्व पुण्य से तुझे मिला यह, मानव जन्म महान।

.....

4. सुघोसे णयरे। देवरमणे उज्जाणे। पुण्णभद्दों जक्खो।

.....

5. महापुरे णयरे। स्त्रासोगे उज्जाणे। सिरिदेवी पामोक्खा णं पंचसया।

.....

6. हट्ठतुट्ठे उट्ठाए, उट्ठेइ णमंसइ, ममंसित्ता।

.....

7. पिये, पियरूवे, मणुण्णे, मणुण्णरूवे पियदंसणे सुरूवे।

.....

8. देवलागाओ आउक्खएणं, लभिहिइ, लभिहिता।

.....

9. सिज्झहिइ बुज्झिहिइ, अयमट्ठे पण्णते।

.....

10. दुहविवागस्स नवमं अज्झयणं समत्तं।

.....